भक्ति शास्त्री –खुली पुस्तक मूल्यांकन प्रश्न
इस्कॉन एन व्ही सी सी –पुणे

इकाई 1. भगवद्गीता अध्याय 1 से 6

प्रश्न 1. भगवद्गीता के श्लोक **2.54–68** एवं **3.4–8** तथा उनके तात्पर्य, उपमानों तथा उदाहरणों का संदर्भ देते हुए, कृष्णभावना में इंद्रियसंयम की विधि को **अपने शब्दों में** समझाइये।
इसकी प्रासंगिकता निम्न बिंदुओं पर बताइये ः

- कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि में अर्जुन की स्थिति
- कृष्णभावना में आपकी व्यक्तिगत साधना

(व्यक्तिगत प्रयोग)

प्रश्न 2. भगवद्गीता अध्याय **2** से **6** के श्लोक, तात्पर्य, तथा श्रील प्रभुपाद के प्रवचनों से टिप्पणियों का संदर्भ देते हुए, अन्य योग पद्धतियों पर भक्ति की श्रेष्ठता का प्रतिपादन **अपने शब्दों में** कीजिए।
अपने उत्तर में यह भी समझाइये ः

- कलियुग में भक्ति के अलावा अन्य योगपद्धतियों की अव्यावहारिकता।
- अन्य योगपद्धतियों के घटक, भक्ति में सम्मिलित हैं।
- अन्य योगपद्धतियों का पालन किए बिना भी भक्ति साधना करना संभव है।

(प्रचार संबंधी प्रयोग)

अतिरिक्त

अपने शब्दों में समझाइये कि बद्ध जीवों के क्लेश के लिए कौन उत्तरदायी है। भगवद्गीता के श्लोक **4.14, 5.14–15** तथा उनके तात्पर्य एवं उपमानों के संदर्भ से लिखिए।

(बोध)

इकाई 2. भगवद्गीता अध्याय 7 से 12

प्रश्न 3. भगवद्गीता के श्लोक **3.10–16, 7.20–23** एवं **9.20–25** तथा उनके तात्पर्य एवं उपमानों के आधार पर देवताओं की पूजा का उचित अर्थ **अपने शब्दों में** समझाइये।

(प्रचार संबंधी प्रयोग)

प्रश्न 4. चतुःश्लोकी गीता के कौनसे बिंदु आपको अपने व्यक्तिगत उपयोग से जुड़े लगते हैं? इन श्लोकों में से संस्कृत शब्द, वाक्यांश एवं श्रील प्रभुपाद के तात्पर्यों का सटीक संदर्भ देते हुए **अपने शब्दों में** लिखिए।

(व्यक्तिगत प्रयोग)

अतिरिक्त

भौतिक संसार के साथ भगवान कृष्ण के संबंध को भगवद्गीता **9.4–10** के संस्कृत पदों, प्रभुपाद के तात्पर्यों तथा उपमानों के संदर्भ सहित **अपने शब्दों में** समझाइये।

इकाई 3. भगवद्गीता अध्याय 13 से 18

प्रश्न 5. भगवद्गीता अध्याय **14** के श्लोकों तथा तात्पर्य के संदर्भ से **अपने शब्दों में** विवेचन कीजिए कि ः

- आप रजोगुण एवं तमोगुण से किस प्रकार प्रभावित हैं।
- स्वयं में सत्वगुण का विकास करने के लिए आप कौनसे व्यावहारिक तरीके अपना सकते हैं।

(व्यक्तिगत प्रयोग)

प्रश्न 6. भगवद्गीता अध्याय **14** एवं **16** के तात्पर्यों में से श्रील प्रभुपाद के ध्येय (मिशन) पर प्रकाश डालनेवाले कथन चुनिए और **अपने शब्दों में** चर्चा कीजिए कि इस्कॉन के भविष्य के लिए ये वैचारिक पक्ष किसप्रकार महत्त्वपूर्ण हैं।

(भाव एवं ध्येय)

इकाई 4. भक्तिरसामृतसिंधु

प्रश्न 7. शुद्ध भक्ति की परिभाषा **अपने शब्दों में** समझाइये तथा स्वरूप लक्षण, तटस्थ लक्षण, प्रभुपाद की टिप्पणियां, उदाहरण एवं संस्कृत के विशेष शब्दों का संदर्भ दीजिए।

(बोध)

प्रश्न 8. जीवन में आनेवाले क्लेशों के प्रति उचित मनोभाव का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए तथा अपने उत्तर में भक्तिरसामृतसिंधु के अध्याय 10 में से प्रभुपाद के कथनों का संदर्भ दीजिए।

(व्यक्तिगत प्रयोग)

अतिरिक्त

साधनभक्ति के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण पाँच अंगों के महत्त्व का भक्तिरसामृतसिंधु के अध्याय 11 एवं 12 के संदर्भ से वर्णन कीजिए। इन पाँच भक्तिअंगों के अभ्यास में सुधार करने के व्यावहारिक तरीकों की चर्चा **अपने शब्दों में** कीजिए।

(व्यक्तिगत प्रयोग)

इकाई 5. श्रीईशोपनिषद

प्रश्न 9. निम्नलिखित में ईशावास्य सिद्धांत लागू करने के व्यावहारिक तरीकों का तथा इससे होनेवाले लाभों का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए ः

- सामान्य समाज
- इस्कॉन
- आपका अपना जीवन

अपने उत्तर में ईशोपनिषद मंत्र 1–3 एवं तात्पर्यों का संदर्भ दीजिए।

(व्यक्तिगत/प्रचार विषयक प्रयोग)

प्रश्न 10. भगवान के साकार रूप का अपने शब्दों में प्रतिपादन कीजिए और श्रीईशोपनिषद के श्लोकों, तात्पर्य, उपमानों तथा प्रभुपाद के प्रवचनों से उपयुक्त संदर्भ दीजिए।

(प्रचार विषयक प्रयोग)

इकाई 6. उपदेशामृत

प्रश्न 11. साधनभक्ति में 'अत्याहार' तथा 'प्रयास' से बचने का महत्त्व समझाइये। आप इन प्रवृत्तियों से कैसे बच सकते हैं? अपने उत्तर में उपदेशामृत श्लोक 2 एवं तात्पर्य से उचित संदर्भ दीजिए।

(व्यक्तिगत प्रयोग)

प्रश्न 12. साधनभक्ति में 'उत्साह' तथा 'निश्चय' बढ़ाने के मार्ग में आपके सामने कौनसी चुनौतियां आती हैं? आप इन चुनौतियों का सामना कैसे करते हैं? अपने उत्तर में उपदेशामृत श्लोक 3 उचित संदर्भ दीजिए।

(व्यक्तिगत प्रयोग)

अतिरिक्त

वैष्णवों के प्रति उचित मनोभाव का **अपने शब्दों में** वर्णन कीजिए। अनुचित मनोभाव के दुष्परिणामों की चर्चा कीजिए तथा उपदेशामृत श्लोक 6 एवं तात्पर्य से संदर्भ दीजिए।

(व्यक्तिगत प्रयोग)